सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार
प्रेस विज्ञप्ति

संख्या– 316
15/04/2017

गॉधी जी का जीवन ही उनका संदेश है :– मुख्यमंत्री

पटना, 15 अप्रैल 2017 :– चम्पारण सत्याग्रह के शताब्दी और गॉधी संग्रहालय पटना के गोल्डन जुबली कार्यक्रम में भाग लेते हुये मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने कहा कि हम चम्पारण सत्याग्रह का 100वॉ साल मना रहे हैं और पूरे वर्ष तक इस उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित होते रहेंगे। आज ही के दिन राष्ट्रपिता महात्मा गॉधी मोतिहारी पहुॅचे थे। गॉधी संग्रहालय का आज स्वर्ण जयंती समारोह मना रहे हैं, यह प्रसन्नता की बात है, इसके लिए मैं आयोजकों को बधाई देता हूॅ। चम्पारण सत्याग्रह समारोह 10 अप्रैल 2017 से शुरू की गई है जो 21 अप्रैल 2018 तक जारी रहेगा। 10 एवं 11 अप्रैल को पटना में नवनिर्मित ज्ञान भवन में राष्ट्रीय विमर्श का आयोजन किया गया, जिसमें पूरे देश के गॉधी विचारक शामिल हुये और अपने–अपने विचार रखे। दो दिन तक चले इस राष्ट्रीय विमर्श में आये विचारकों के विचारों का संकलन कर मुद्रित किया जायेगा, जो आज की पीढ़ी और आने वाली पीढ़ी के लिए ज्ञानवर्द्धक और प्रेरणादायी होगा। गॉधी जी के विचार आज भी प्रासंगिक है और उनके विचारों को संजोने और सहेजने के लिए गॉधी संग्रहालय के सचिव श्री रजी अहमद जी धन्यवाद के पात्र हैं। उन्होंने गॉधी जी के दुर्लभ चित्र, गॉधी जी पर विभिन्न लेखकों द्वारा लिखी गई पुस्तकें, पाण्डुलिपियॉ, मूतियॉ को सहेजकर इस संग्रहालय में सुरक्षित रखे हैं। गॉधी मैदान में देश की सबसे ऊॅची गॉधी जी की प्रतिमा स्थापित है। श्री रजी अहमद जी का प्रतिमा निर्माण से लेकर प्रतिमा स्थापित करने तक बड़ा योगदान रहा है। इसी प्रतिमा को चम्पारण सत्याग्रह समारोह का प्रतीक चिन्ह् के रूप में घोषित किया गया है। गॉधी जी का जीवन ही उनका संदेश है। राजकुमार शुक्ल जी ने गॉधी जी को चम्पारण लाने में अग्रणी भूमिका निभाई थी और चम्पारण में नीलहो के अत्याचार से मुक्ति दिलाने में गॉधी जी ने अपना पहला सफल सत्याग्रह की नींव रखी थी। अपने बिहार के भ्रमण के दौरान गॉधी जी जिस–जिस स्थल पर गये और गतिविधियॉ की उन सभी स्थलों और गतिविधियों को स्मरण करने की कोशिश की जायेगी। हमारा मकसद है कि गॉधी जी के विचारों, उसके संदेशों को जन–जन एवं घर–घर तक पहुॅचाना है। इस एक वर्षीय कार्यक्रम में सभी विभागों द्वारा कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है। कला संस्कृति विभाग द्वारा भी कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। कार्यक्रम आयोजन को लेकर सर्वदलीय बैठक बुलाई गयी थी और कार्यक्रम की रूप–रेखा तय की गई थी। 17 अप्रैल को पटना में देशभर के स्वतंत्रता सेनानियों को सम्मानित किया जायेगा, जिसमें राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी, केन्द्रीय गृह मंत्री श्री राजनाथ सिंह, कॉग्रेस उपाध्यक्ष श्री राहुल गॉधी ने भी कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए अपनी सहमति जताई है। चम्पारण सत्याग्रह से आजादी की लड़ाई को नई गति तथा नई दिशा मिली और महज 30 साल के अंदर ही देश आजाद हो

गया। चम्पारण सत्याग्रह के 100 साल पूरे होने पर हम स्वतंत्रता सेनानियों को सम्मानित कर रहे हैं, ये हमारे के लिए गौरव की बात है। 18 अप्रैल को मोतिहारी में स्मृति यात्रा अंतर्गत पदयात्रा की जायेगी। 12 अप्रैल से मैंने प्रचार वाहन 'गॉधी रथ' को हरी झण्डी दिखाई जो प्रत्येक पंचायतों में घूम–घूमकर फिल्म, गीत, वृत्तचित्र के माध्यम से गॉधी जी के विचारों को जन–जन तक पहुॅचायेगी। स्कूलों में प्रार्थना के बाद प्रतिदिन गॉधीजी से संबंधित कहानी सुनाई जायेगी। गॉधी जी के विचारों को सभी लोग जानते हैं, सबके मन में उनके प्रति आदर का भाव है, पर सिर्फ नाम से नहीं, उनके जीवन संदेश से अवगत होइये, काम से परिचित होइये और उनके विचारों आत्मसात कीजिये। अगर नई पीढ़ी का दस प्रतिशत भी गॉधी जी के विचारों के प्रति आकर्षित हो जाय तो आने वाले 10 से 15 साल में समाज बदल जायेगा। असहिष्णुता के माहौल में शराबबंदी, प्रकाश पर्व, चंपारण सत्याग्रह समारोह मनाया जाना वातावरण को सौहार्द्रपूर्ण बनाता है। नशामुक्ति के पक्ष में 4 करोड़ लोगों ने मानव श्रृंखला बनाकर यह संदेश दिया है कि हम सामाजिक परिवर्तन के पक्ष में है। बाल विवाह, दहेज प्रथा के विरूद्ध सशक्त अभियान चलाया जायेगा। गोवा में अध्ययन के दौरान पता चला है कि जो शराब का सेवन कर रहे हैं, वे डिप्रेशन का शिकार हो रहे हैं। हम इस मुहिम को और आगे बढ़ायेंगे तथा कामयाब होंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि गॉधी संग्रहालय में बचे खाली जगहों पर एक सभागार का निर्माण किया जायेगा।

इसके पूर्व मुख्यमंत्री ने गॉधी जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपिता महात्मा गॉधी की प्रतिमा का अनावरण किया तथा गॉधी जी पर लिखी गयी विभिन्न पुस्तकों का लोकार्पण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री को अंगवस्त्र एवं प्रतीक चिह्न भेंट किया गया।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, शिक्षा मंत्री श्री अशोक चौधरी, गॉधी संग्रहालय के सचिव श्री रजी अहमद, राजद के प्रदेश अध्यक्ष श्री रामचन्द्र पूर्वे, विधायक श्री श्याम रजक, प्रधान सचिव सूचना एवं जन–सम्पर्क श्री ब्रजेश मेहरोत्रा, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री चंचल कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव श्री मनीष कुमार वर्मा, जिलाधिकारी पटना श्री संजय अग्रवाल, आचार्य किशोर कुणाल सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

******